राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारती महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

हिंदी कार्यशाला

23/01/2024

भारती महाविद्यालय सदैव हिंदी भाषा के संवर्धन, प्रचार-प्रसार तथा प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों में इसके सहज और प्रभावी उपयोग के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसी कड़ी में महाविद्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में दिनांक 23 जनवरी 2024 को "तकनीक में हिंदी का प्रयोग : समस्या और समाधान" विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। यह कार्यशाला महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की उपस्थिति उल्लेखनीय और प्रेरणादायक रही।

वर्तमान समय में तकनीक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में गहराई से स्थापित हो चुकी है। कार्यालयी कार्यों, शोध एवं अध्ययन, संचार और सूचना के आदान-प्रदान — सभी क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों और तकनीकी साधनों का उपयोग अब अनिवार्य हो गया है। ऐसे परिदृश्य में हिंदी जैसी व्यापक जनभाषा का तकनीक में सहज और प्रभावी उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यशाला का उद्देश्य तकनीक में हिंदी भाषा के प्रयोग से संबंधित चुनौतियों की पहचान करना, उनके समाधान सुझाना, प्रशासनिक स्तर पर हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा प्रतिभागियों को हिंदी के विभिन्न तकनीकी अनुप्रयोगों, सॉफ़्टवेयर टूल्स और डिजिटल संसाधनों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री कुमार पाल शर्मा, उप-निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री विक्रम सिंह, अपर सचिव, संसदीय राजभाषा समिति, भारत सरकार पधारे। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने दोनों अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर औपचारिक स्वागत किया और उनके मार्गदर्शन को महाविद्यालय के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। कार्यशाला का संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. वसुंधरा शर्मा ने सहज और प्रभावी ढंग से किया। उन्होंने प्रारंभ में कार्यशाला के उद्देश्यों और विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तकनीक और भाषा का समन्वय आधुनिक युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है, और हिंदी भाषा को डिजिटल दुनिया

में अपना सशक्त स्थान बनाने के लिए सक्रिय प्रयास अनिवार्य हैं। इसके बाद श्री कुमार पाल शर्मा ने अपने विस्तृत और रोचक वक्तव्य में दैनिक जीवन में तकनीक की बढ़ती भूमिका पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि इक्कीसवीं सदी तकनीक की सदी है। उन्होंने हिंदी भाषा की ध्वनि एवं वर्तनी व्यवस्था को वैज्ञानिक और तकनीक के अनुकूल बताते हुए कहा कि इस भाषा की संरचना इसे डिजिटल माध्यमों में प्रयोग के लिए स्वाभाविक रूप से सक्षम बनाती है। उन्होंने गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के प्रयोग को सुगम बनाने के लिए किए जा रहे विविध प्रयासों की जानकारी दी, जिनमें हिंदी टाइपिंग टूल्स, अनुवाद सॉफ़्टवेयर, ऑनलाइन शब्दकोश, सरकारी पोर्टल पर हिंदी सामग्री की उपलब्धता, और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

इसके उपरांत श्री विक्रम सिंह ने प्रतिभागियों को नई-नई तकनीकों, उन्नत सॉफ़्टवेयरों और डिजिटल एप्लिकेशनों के बारे में उपयोगी जानकारी दी, जिनके माध्यम से हिंदी में लेखन, अनुवाद, डेटा प्रविष्टि और आधिकारिक पत्राचार को अधिक तेज़, सहज और प्रभावी बनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन अनुवाद तकनीक हिंदी के वैश्विक प्रसार में नए अवसर प्रदान कर रही है और निकट भविष्य में हिंदी भाषा के तकनीकी स्वरूप को और अधिक मज़बूत बनाएगी। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। चर्चा सत्र में प्रतिभागियों ने हिंदी में तकनीकी कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं जैसे यूनिकोड फ़ॉन्ट की असुविधा, हिंदी टाइपिंग की गति, तकनीकी शब्दावली की जटिलता और स्वचालित अनुवाद की शुद्धता से जुड़े मुद्दों पर प्रश्न पूछे। वक्ताओं ने इन प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर देते हुए व्यावहारिक समाधान भी सुझाए।

कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सलोनी गुप्ता ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों और प्रतिभागियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना को प्रबल करते हैं, बल्कि प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं में हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की संयोजिका प्रो. मंजु शर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी को हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने और तकनीक में इसके प्रभावी उपयोग हेतु निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

इस प्रकार यह कार्यशाला तकनीक और हिंदी के मध्य सेतु निर्माण की दिशा में एक सार्थक एवं महत्त्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई, जिसके सकारात्मक परिणाम निश्चय ही महाविद्यालय के प्रशासनिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यकलापों में दीर्घकाल तक दिखाई देंगे।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारती महाविद्यालय

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

द्वारा आयोजित

एकदिवसीय कार्यशाला

तकनीक में हिंदी का प्रयोग - समस्या और समाधान

मुख्य वक्ता

श्री कुमार पाल शर्मा

उप निदेशक (कार्यान्वयन)

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

विशिष्ट अतिथि

श्री विक्रम सिंह

अवर सचिव

संसदीय राजभाषा समिति

23 जनवरी 2024

संगोष्ठी कक्ष

प्रात: 10 बजे

आप सभी सादर आमन्त्रित हैं।

प्राचार्या

प्रो सलोनी गुप्ता

संयोजिका

प्रो मंजु शर्मा